# रीपो दर बढ़ने से उधारी दरें बढ़ेंगी

मुंबई, 4 मई

खीआई की मौद्रिक (एमपीसी) द्वारा बधवार को रीपो दरें 40 आधार अंक तक बढ़ाकर 4.40 प्रतिशत की गईं जिससे ब्याज दर चक्र बदल गया है। इसके परिणामस्वरूप. ऋणदाताओं को अब अपनी उधारी दरों में बदलाव लाना होगा, खासकर उन ऋणों में जो बाह्य बेंचमार्क से जुड़े हुए हैं। जमाओं पर ब्याज दरें भी बढ़ने की संभावना है, जिससे आम आदमी को कुछ राहत मिलेगी।

आरबीआई के आंकडे से पता चलता है कि दिसंबर, 2021 तक, बैंकों द्वारा ३९ प्रतिशत ऋण बाह्य बेंचमार्क से जुड़े हुए थे। वहीं बैंकिंग व्यवस्था में 53 प्रतिशत ऋण फंड-आधारित उधारी दर की मार्जिनल कॉस्ट यानी एमसीएलआर से जुडे हए हैं। इसके अलावा 58.2 प्रतिशत आवास ऋण बाह्य बेंचमार्कों, जबिक एमएसएमई, पर्सनल ऋण, वाहन ऋण और शैक्षिक ऋणों की भागीदारी 69.2 प्रतिशत, 46.2 प्रतिशत, 31.1 प्रतिशत, और 23 प्रतिशत है।

कोटक महिंद्रा बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्याधिकारी



दरों में वृद्धि

- मौजूदा समय में करीब 40 प्रतिशत ऋण बाह्य बेंचमार्क से जुड़े
- ऋणदाताओं को अब अपनी उधारी दरों में बदलाव लाना होगा
- जमाओं पर ब्याज दरें भी बढने की संभावना है
- दर वृद्धि का प्रभाव सभी तरह के ऋणों पर पड़ने

उदय कोटक ने सीएनबीसी टीवी18 को बताया. 'रीपो व्यवस्था से जुड़ी पूरी ऋण बुक में बदलाव आया है। एमसीएलआर आधारित बहीखाता पहले ही बढ़ने लगा था। चूंकि कोषों की लागत बढी है, जिसका असर कर्जदारों पर पडेगा। मेरा मानना है कि हमें निष्पक्ष बनना होगा। बैंक बदलाव ला रहे हैं और इसलिए हमारी जमा दरें बढेंगी और उसी हिसाब से बचतकर्ताओं को लाभ होगा। हमें संतुलित तरीके से इस पर ध्यान देना होगा।'

रीपो दर में वृद्धि अगस्त 2018 राजनीतिक तनाव और वैश्विक

के बाद पहली बार की गई थी। चुंकि महामारी से देश प्रभावित हुआ, इसलिए एमपीसी ने रीपो दर 75 आधार अंक तक घटाई और तिमाही आधार पर इसमें अन्य 40 आधार अंक की कमी की जिसके साथ ही रीपो दर 4 प्रतिशत पर थी। आरबीआई ने महामारी के दौरान 17.2 लाख करोड़ रुपये की नकदी सुविधाएं भी पेश की थीं, जिनमें से 11.9 लाख करोड़ रुपये का उपयोग किया गया था।

बढ़ती घरेलू मुद्रास्फीति, भू-

केंद्रीय बैंकों द्वारा अपनी मौद्रिक नीति को सख्त बनाए जाने की वजह से एमपीसी द्वारा दरें बढ़ाने से पहले समय-सीमा तय किए जाने की जरूरत थी। अगस्त की मौद्रिक नीति बैठक के बाद अर्थशास्त्रियों को जुन की नीतिगत बैठक में दर वृद्धि का अनुमान था।

बैंकबाजार डॉटकॉम के मुख्य कार्याधिकारी आदिल शेट्टी का कहना है कि दर वृद्धि का प्रभाव आवास ऋण से लेकर वाहन ऋण, व्यक्तिगत ऋण सभी पर महसूस

'लेकिन मुझे विश्वास है कि मद्रास्फीति रियल एस्टेट में उत्साह

लाएगी। कई घर खरीदार इसे एक

ट्रेंड के तौर पर देखेंगे और अफसोस

जताने के बजाय जल्द घर खरीदने

ने भी दर वृद्धि का प्रभाव पड़ने की

आशंका से इनकार किया है।

ओबेरॉय रियल्टी के चेयरमैन एवं

प्रबंध निदेशक विकास ओबेरॉय ने

कहा कि दर वृद्धि से बाजार

प्रभावित नहीं होगा। ओबेरॉय

रियल्टी का शेयर इस घोषणा के

अन्य रियल एस्टेट डेवलपरों

की कोशिश करेंगे।'

# रियल एस्टेट और वाहन क्षेत्र पर असर

राघवेंद्र कामत और देव चटर्जी मुंबई, 4 मई

ऊंची ब्याज दरों का बोझ भारतीय रियल एस्टेट और वाहन क्षेत्रों पर सबसे ज्यादा पड़ेगा, क्योंकि ग्राहक नए मकानों और कारों की खरीदारी में विलंब करेंगे।

रियल एस्टेट डेवलपरों को आशंका है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने से आवास ऋण दरें बढ़ जाएंगी और इससे ग्राहकों की ईएमआई में इजाफा हो जाएगी। मुंबई की रियल एस्टेट डेवलपर हीरानंदानी ग्रुप के प्रबंध निदेशक निरंजन हीरानंदानी ने कहा कि नियामक को यह सुनिश्चित करना होगा कि लोगों पर मद्रास्फीति संबंधित दबाव आवास ऋणों पर ऊंची दरों के तौर पर बहुत ज्यादा न पड़े। हीरानंदानी ने कहा, 'भारत में मुद्रास्फीति दरें आरबीआई के ऊपरी दायरे को पार कर गई हैं और इस कदम का तर्क समझने योग्य है, लेकिन हमें उम्मीद है कि आवास ऋण प्रभावित

बहुराष्ट्रीय रियल एस्टेट सलाहकार एवं शोध फर्म जेएलएल में मुख्य अर्थशास्त्री सामंतक दास ने कहा कि अचानक हुई इस दर वृद्धि का रियल एस्टेट क्षेत्र पर नकारात्मक प्रभाव पडेगा, क्योंकि आवास ऋण दरें तुरंत बढ़ जाएंगी। दास ने कहा, 'पांच साल बाद, हमने किफायती योजनाओं पर जोर दिए जाने की वजह से पिछली कुछ ब्याज दर में वृद्धि का प्रभाव



- दर वृद्धि से रियल्टी, वाहन क्षेत्रों में सुधार की रफ्तार
- ब्याज दरें ऐसे समय में बढी हैं जब रियल एस्टेट उद्योग में सुधार शुरू ही हुआ है

तिमाहियों में आवासीय बिक्री और नई पेशकशों में अच्छी वापसी दर्ज की है। लेकिन इस रीपो दर वृद्धि के साथ साथ निर्माण क्षेत्र में लागत संबंधित महंगाई से आवासीय क्षेत्र की वृद्धि धीमी पड सकती है, जो रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए अच्छा नहीं होगा।'

आरबीआई ने यह कदम ऐसे समय में उठाया है जब रियल एस्टेट उद्योग में सुधार सिर्फ शुरू ही हुआ

है। रियल एस्टेट कंसल्टेंसी फर्म नाइट फ्रैंक इंडिया के अनुसार, मुंबई में संपत्ति बिक्री पंजीकरण की संख्या अप्रैल में 11,744 आवास रही और राज्य का कर राजस्व संग्रह आवास बिक्री से अप्रैल में एक दशक में सबसे अच्छा रहा। टाटा रियल्टी ऐंड इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रबंध निदेशक संजय दत्त ने कहा कि दर वृद्धि एक मुख्य चिंता है। उन्होंने कहा,

बाद 3.3 प्रतिशत गिर गया था। वाहन उद्योग को दर वृद्धि को लेकर आशंकित था और दोपहिया बिक्री अभी भी सुस्त बनी हुई है। कारों की बिक्री अप्रैल में धीमी रही और बाजार दिग्गज मारुति सुजुकी ने अपनी घरेलू बिक्री में 10 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की।

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विंकेश गुलाटी ने कहा कि आरबीआई के इस कदम से व्यवस्था में अतिरिक्त नकदी प्रभावित होगी और वाहन ऋण महंगे हो जाएंगे। गुलाटी ने कहा, 'जहां कार सेगमेंट लंबी प्रतीक्षा अवधि की वजह से इस झटके को सहन करने में सक्षम हो सकता है. वहीं दोपहिया ऊंची वाहन ऋण लागत का अन्य दबाव सहन नहीं कर पाएगा। इससे निश्चित तौर पर धारणा प्रभावित होगी।'

(साथ में अरिंदम मजूमदार और सोहिनी दास)

## आरबीआई की दर वृद्धि ने बाजारों को चौंकाया

पुनीत वाधवा नई दिल्ली, 4 मई

बाजार विश्लेषकों का कहना है कि आरबीआई ने बुधवार को रीपो दर अचानक 40 आधार अंक तक घटाकर 4.4 प्रतिशत और नकदी आरक्षी अनुपात (सीआरआर) 50 आधार अंक बढ़ाकर 4.5 प्रतिशत कर बाजारों को चौंका दिया। विश्लेषकों का मानना था कि केंद्रीय बैंक द्वारा जून में यह दर वृद्धि किए जाने की संभावना थी।

एवेंडस कैपिटल पब्लिक मार्केट्स अल्टरनेट स्ट्रैटेजीज के सह-मुख्य कार्याधिकारी वैभव सांघवी का कहना है, 'दर में वृद्धि हालांकि संभावित थी, लेकिन इसकी संभावना जून की नीतिगत समीक्षा में जताई जा रही थी। इस घोषणा में दर वृद्धि की मात्रा (40 आधार अंक) भी आश्चर्यजनक है, क्योंकि बाजारों को आरबीआई द्वारा 25 आधार अंक वृद्धि का अनुमान था। भविष्य में प्रमुख सूचकांक अमेरिकी फेड और अन्य वैश्विक केंद्रीय बैंकों के रुझानों पर निर्भर करेंगे।' इन घटनाक्रम से बाजार में गिरावट आई है। बीएसई का सेंसेक्स 1300 अंक गिरकर 55,669 पर बंद हुआ। दूसरी तरफ

#### विश्लेषकों को केंद्रीय बैंक द्वारा जून में दर वृद्धि किए जाने की अपेक्षा थी

 रूस-यूक्रेन हमले से जिंस कीमतों, खासकर कच्चे तेल में भारी तेजी आई है

निफ्टी-50 भी बडी गिरावट दर्ज

नोमुरा में भारत और एशिया (जापान को छोडकर) के लिए मुख्य अर्थशास्त्री सोनल वर्मा ने अरोदीप नंदी के साथ मिलकर तैयार की गई ताजा रिपोर्ट में कहा है, 'भारत नीति सामान्यीकरण चक्र के कगार पर है। वित्त वर्ष 2023 में ऊंची सीपीआई मुद्रास्फीति का मतलब होगा नीतिगत सुधारों में विलंब होना। हमें वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही तक रीपो दर में 200 आधार अंक वृद्धि की आशंका है जिससे टर्मिनल रीपो दर 2023 की तीसरी तिमाही तक बढकर 6 प्रतिशत हो जाएगी।'

अप्रैल में हुई पिछली नीतिगत बैठक में आरबीआई की मौद्रिक नीतिगत समिति (एमपीसी) ने अपना ध्यान रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद भारत में बढ़ी मुद्रास्फीति से मुकाबले पर केंद्रित किया

## आने वाले महीने में दरों में बढ़ोतरी की उम्मीद

चिराग मडिया मुंबई, 4 मई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को नीतिगत रीपो दर को तत्काल प्रभाव से 40 आधार अंक बढ़ाकर 4.4 प्रतिशत कर दिया। देश के डेट फंड मैनेजरों का कहना है कि निवेशकों को आगे दरों में

अधिक बढोतरी की उम्मीद करनी

चाहिए और उन्हें पूंजी बाजार की योजनाओं, फ्लोटिंग रेट फंडों और लक्षित परिपक्वता अवधि कहना है कि वाले फंडों में निवेश निवेशकों को आगे

करना चाहिए। ट्रस्ट म्युचुअल फंड के सीईओ संदीप बागला का कहना है, 'विभिन्न

परिपक्वता अवधि वाले डेट म्युचुअल फंड (एमएफ)

को आज नुकसान होगा। हालांकि, कोई भी दो साल की परिपक्वता वाले फंडों में निवेश शुरू कर सकता है, विशेष रूप से ट्रस्ट एमएफ बैंकिंग और पीएसयू डेट फंड जैसे रोल डाउन फंड में प्रतिफल अब 6.25 फीसदी होगा। सितंबर ऐसा महीना है जब बॉन्ड बाजारों में अधिकांश उथल-पुथल काफी हद तक खत्म हो जाएगी और सितंबर 2022 में लॉन्ग बॉन्ड फंडों में निवेश किया जा सकता है।

बुधवार को, 10 साल के जी-सेक का प्रतिफल सोमवार के 7.1 प्रतिशत के मुकाबले 7.4 प्रतिशत पर समाप्त हुआ। पिछले एक साल में, मनी मार्केट फंड्स, अति लघु अवधि वाले और डायनेमिक बॉन्ड जैसी कुछ डेट श्रेणियों ने 3 प्रतिशत की सीमा में रिटर्न दिया है। ऐक्सिस

इनकम

विश्लेषकों का प्रमुख आर शिवकुमार कहते हैं, ऐसा लगता है कि दरों में और अधिक आरबीआई अगले वृद्धि को ध्यान में 12 महीनों के भीतर रखकर निवेश नकदी की स्थिति को सामान्य करना चाहता करना चाहिए

है और संभवत: रिपो दर को मुद्रास्फीति की दर से ऊपर बढाना चाहेगा। जनवरी-मार्च 2023 में

मुद्रास्फीति के औसतन लगभग 5.1 प्रतिशत होने का अनुमान है। ऐसा लगता है कि आरबीआई रीपो दरों को महामारी से पहले के स्तर पर कम से कम 5.15 प्रतिशत पर वापस जाने देने का संकेत दे

THIS IS A PUBLIC ANNOUCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT. THIS DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. THIS PUBLIC ANNOUNCEMENT IS NOT INTENDED FOR RELEASE, PUBLICATION OF DISTRIBUTION, DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA.

### **NANAVATI VENTURES LIMITED**

NANAVATI

Our Company was originally incorporated as "Nanavati Ventures Private Limited" under Companies Act. 1956 vide Certificate of Incorporation dated August 10, 2010 issued by Assistant Registrar of Companies, Gujarat, Dadra and Nagar Haveli under CIN U51109GJ2010PTC061936. The name of the Company changed from "Nanavati Ventures Private Limited" to "Nanavati Ventures Limited" pursuant to special resolution passed by the Shareholders at its Extra Ordinary General Meeting held on July 30, 2020 and a fresh certificate of incorporation consequent upon conversion from Private Company to Public Company was issued by the Registrar of Companies, Ahmedahad dated August 14, 2020 under CIN U51109GJ2010PLC061936. For details pertaining to the changes of name of our company and change in the registered office, please refer to the chapter titled 'Our History and Certain Corporate Matters' beginning on page no. 86 of the Prospectus.

Registered Office: S-414, OM Plaza, Adarsh App. Co. Op. Ho. Soc., Village: Vijalpor, Taluka: Jalalpore, Navsari - 396445, Gujarat, India; Tel. No.: +91 9316691337; Email: info@nventures.co.in: Website: www.nventures.co.in: Contact Person: Mr. Pankaj Valjibhaj Pandav, Company Secretary & Compliance Officer

PROMOTERS OF OUR COMPANY: MRS. KASHMIRA HEMANTKUMAR NANAVATI, MR. SHREYKUMAR HASMUKHBHAI SHETH AND MS. VAISHNAVI HEMANTKUMAR NANAVATI

#### **BASIS OF ALLOTMENT**

INITIAL PUBLIC ISSUE OF UPTO 4,38,000\* EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF RS. 10/- EACH ("EQUITY SHARES") OF NANAVATI VENTURES LIMITED ("OUR COMPANY" OR "THE ISSUER COMPANY") FOR CASH AT A PRICE RS.50/- PER EQUITY SHARE (INCLUDING A SHARE PREMIUM OF RS. 40/- PER EQUITY SHARE) ("ISSUE PRICE") AGGREGATING TO RS. 219.00 LAKHS ("THE ISSUE"). OF WHICH 24.000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF RS. 10/- EACH FOR A CASH PRICE OF RS. 50/- PER EQUITY SHARE, AGGREGATING TO RS. 12.00 LAKHS WILL BÉ RESERVED FOR SUBSCRIPTION BY MARKET MAKER ("MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE ISSUE LESS THE MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E. ISSUE OF 4.14.000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF RS. 10/- EACH AT AN ISSUE PRICE OF RS. 50.00 PER EQUITY SHARE AGGREGATING TO RS. 207.00 LAKHS (IS HEREINAFTER REFERRED TO AS THE "NET ISSUE"). THE ISSUE AND THE NET ISSUE WILL CONSTITUTE 26.58% AND 25.12%, RESPECTIVELY OF THE POST ISSUE PAID UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.

\*Between issue closing i.e. 27-04-2022 and basis of allotment date i.e. 02-05-2022 the following material change that has been done in consultation with BSE Ltd. RTA, Issuer

Issue Size has been increased for 2,000 Equity Shares for the purpose of rounding off as per Regulation 268 of SEBI (ICDR) Regulation, 2018, as amended from time to time and as approved by the BOD resolution dated 29-08-2020 and AGM resolution dated 30-09-2020

ISSUE PRICE: RS. 50 PER EQUITY SHARE OF FACE VALUE OF RS. 10 EACH THE ISSUE PRICE IS 5.00 TIMES OF THE FACE VALUE

ISSUE OPENED ON: MONDAY, APRIL 25, 2022 PERIOD ISSUE CLOSED ON: WEDNESDAY, APRIL 27, 2022

PROPOSED LISTING: MAY 06, 2022\*

The Equity Shares offered through the Prospectus are proposed to be listed on the SME Platform of BSE Limited ("BSE") in terms of the Chapter IX of the SEBI (ICDR) Regulations 2018, as amended from time to time. Our Company has received an In Principal approval letter dated November 25, 2021 from BSE Limited ("BSE") for using its name in the Offer Document for listing of our shares on the SME Platform of BSE. It is to be distinctly understood that the permission given by BSE Limited ("BSE") should not in any way be deemed or construed that the content of the Prospectus or the price at which the equity share are offered has been cleared, solicited or approved by BSE, nor does it certify the correctness, accuracy or completeness of any of the content of the Prospectus. The investors are advised to refer to the Prospectus for the full text of the Disclaimer clause pertaining to BSE. For the purpose of this Issue, the Designated Stock Exchange will be the BSE Limited. The trading is proposed to be commenced on or about May 06, 2022 \*Subject to the receipt of listing and trading approval from the BSE SME Platform.

All Applicants were allowed to participate in the Issue either through APPLICATIONS SUPPORTED BY BLOCKED AMOUNT ("ASBA") process by providing the details of their respective bank accounts in which the corresponding application amounts were blocked by Self Certified Syndicate Banks (the "SCSBs") or through UPI Mechanism SUBSCRIPTION DETAILS

The issue has received 1,785 applications for 7,758,000 Equity shares resulting in 17.71 times subscription (including reserved portion of Market maker) The details of applications received in the issue (before technical rejections but after excluding bids not banked) are as follows:

	•	•	,		
Category	No. of applicants	%	No. of Equity shares	%	Subscription (times)*
Market Maker	1	0.06	24,000	0.31	1.00
Retail Individual Investors	1651	92.49	4,953,000	63.84	18.76
Other than retail individual Investors	133	7.45	2,781,000	35.85	18.54
Total	1785	100.00	7,758,000	100.00	17.71

The details of applications rejected by the Registrar on technical grounds (including withdrawal) are detailed below

1	,											
	Category	Number Of Applications	Number Of Equity Shares									
ı	Market Maker	Nil	Nil									
	Retail Individual Investors	39	117,000									
ı	Other than retail individual Investors	Nil	Nil									
ı	Total	39	117,000									
-	•											

After eliminating technically rejected applications, the following table gives us category wise net valid applications:

Category	No. of applicants	%	Issue Allocation as per Prospectus (Category wise)	Revised Issue Allocation (after spill over)	No. of applicants (valid shares)	No. of valid shares applied	% of Total Applied	Subscription (times) on basis of revised Issue Allocation
Market Maker	1	0.06	24,000	24,000	1	24,000	0.31	1.00
Retail Individual Investors	1651	92.49	4,953,000	264,000	1,612	4,836,000	63.29	18.32
Other than retail individual Investors	133	7.45	2,781,000	150,000	133	2,781,000	36.40	18.54
Total	1785	100.00	7,758,000	438,000	1,746	7,641,000	100.00	17.45

Allocation: The Basis of Allotment was finalized in consultation with the Designated Stock Exchange - BSE Limited on May 02, 2022.

A. Aallocation to Market Maker (After Technical Rejections): The Basis of Allotment to the Market Maker, at the issue price of Bs. 50/- per Fouity Share, was finalized in consultation with BSE. The category was subscribed by 1.00 times. The total number of shares allotted in this category is 24,000 Equity Shares to 1 successful applicant. The Category-wise details of the Basis of Allotment are as under:

No. of Shares Applied for (Category wise)	No. of Applications Received	% to total	Total No. of Shares applied in each category	% to total	Proportionate Shares Available	Allocation per Applicant (Before Rounding Off)	Allocation per Applicant (After Rounding Off)	Ratio of allottees to applicants: RATIO 1			Total no. of Shares Allocated /allotted	
24,000	24,000	100	24,000	100	24,000	24,000	24,000	1	1	1	24,000	0
<b>Grand Total</b>	24,000	100	24,000	100	24,000	24,000	24,000			1	24,000	24,000
D. Allegation	to Dotail India	ما امتالت	vastava (Aftav Taabai	al Daia	Minnel. The Dee	in of Allatonant to	the Detail Indivi	dual lauraatara	at the leave	naine of Do	FO/ nor Fa	uitu Chara

B. Allocation to Retail Individual Investors (After Technical Rejections): The Basis of Allotment to the Retail Individual Investors, at the issue price of Rs. 50/- per Equity Share was finalised in consultation with BSE. The category was subscribed by 18.3182 times. The total number of shares allotted in this category is 264,000 Equity Shares to 88 successful applicants

No. of Shares Applied for (Category wise)	No. of Applications Received	% to total	Total No. of Shares applied in each category	% to total	Proportionate Shares Available	Allocation per Applicant (Before Rounding Off)		Ratio of allottees to applicants: RATIO 1	allottees to	!:4	Total no. of Shares Allocated /allotted	No. of Shares Surplus/ Deficit
3000	1612	100.00	4836000	100.00	264000	163.77	3000	22	403	88	264000	-
Grand Total	1612	100.00	4836000	100.00	264000	163.77	3000	22	403	88	264000	-

The Basis of Allotment to the Other than retail individual Investors, at the issue price of Rs. 50/- per Equity Share, was finalized in consultation with BSE. The category was subscribed by 18.5400 times. The total number of shares allotted in this category is 150,000 Equity Shares to 30 successful applicants

The Category-wise details of the Basis of Allotment are as under

No. of Shares Applied for	No. of Applications Received	% to total	Total No. of Shares applied in	% to total	Proportionate Shares Available	Allocation per Applicant (Before	Allocation per Applicant (After	Ratio of allottees to applicants:	Ratio of allottees to applicants:	Number of successful applicant	Total no. of Shares	No. of Shares Surplus/
(Category wise)	neceiveu		each category		Available	Rounding Off)	Rounding Off)	RATIO 1	RATIO 2	(after rounding off)	Allocated /allotted	Deficit
6000	76	57.14	456000	16.40	24595.47	323.62	3000	2	19	8	24000	-595
9000	16	12.03	144000	5.18	7766.99	485.44	3000	3	16	3	9000	1233
12000	10	7.52	120000	4.31	6472.49	647.25	3000	1	5	2	6000	-472
15000	5	3.76	75000	2.70	4045.31	809.06	3000	1	5	1	3000	-1045
18000	6	4.51	108000	3.88	5825.24	970.87	3000	1	3	2	6000	175
21000	2	1.50	42000	1.51	2265.37	1132.69	3000	1	2	1	3000	735
24000	4	3.01	96000	3.45	5177.99	1294.50	3000	1	2	2	6000	822
27000	1	0.75	27000	0.97	1456.31	1456.31	3000	0	1	0	0	-1456
30000	4	3.01	120000	4.31	6472.49	1618.12	3000	1	2	2	6000	-472
90000	1	0.75	90000	3.24	4854.37	4854.37	6000	1	1	1	6000	1146
150000	1	0.75	150000	5.39	8090.61	8090.61	9000	1	1	1	9000	909
159000	4	3.01	636000	22.87	34304.21	8576.05	6000	1	1	4	24000	-10304
							3000	3	4	3	9000	9000
201000	1	0.75	201000	7.23	10841.42	10841.42	12000	1	1	1	12000	1159
216000	1	0.75	216000	7.77	11650.49	11650.49	12000	1	1	1	12000	350
300000	1	0.75	300000	10.79	16181.23	16181.23	15000	1	1	1	15000	-1181
Total	133	100.00	2781000	100.00	150000					33	150000	0

The Board of Directors of the Company at its meeting held on May 02, 2022 has taken on record the Basis of Allocation of Equity Shares approved by the Designated Stock Exchange viz. BSE Limited and has authorized the corporate action for allotment of the Equity Shares to various successful applicants

The Refund/allotment intimation will be dispatched to the address of the Applicants as registered with the depositories on or about May 05, 2022. Further, the instructions to Self Certified Syndicate Banks for unblocking the funds have been shared on May 02, 2022. In case the same is not received within ten days, investors may contact Registrar at the address given below

The Equity Shares allocated to successful applicants are being credited to their beneficiary accounts subject to validation of the account details with the depositories concerned. The Company is taking steps to get the Equity Shares admitted for trading on SME Platform of BSE Limited within six working days from the date of the closure of the Issue Note: All capitalized terms used and not defined herein shall have the respective meaning assigned to them in the Prospectus dated April 16, 2022 ("Prospectus")

In terms of Prospectus dated April 16, 2022 and as per Regulation 253 of SEBI (ICDR) Regulations, 2018 wherein a minimum of 50% of the Net Issue of shares to Public shall initially be made available for allotment to a) Retail Individual Investors as the case may be. The balance net offer of shares to the public shall be made available for allotment to b) individua applicants other than retail investors and other investors including corporate bodies / institutions irrespective of number of shares applied for. The unsubscribed portion of the net issue to any one of the categories specified in (a) or (b) shall/may be made available for allocation in any other category, if so required. Explanation: Chapter IX, part VIII (253) of SEBI (ICDR) Regulation, 2018. If the retail individual investor is entitled to more than fifty percent, on proportionate basis, the retail individual investors shall be allocated that higher

INVESTORS PLEASE NOTE:

Place: Navsari, Gujarat

Date: May 04, 2022

The details of the allotment made would also be hosted on the website of the Registrar to the Issue KFin Technology Limited at www.kfintech.com. All future correspondence in this regard may kindly be addressed to the Registrar to the Issue quoting full name of the First/Sole applicants, serial number of the Application Form, number of shares applied for and Bank Branch where the application had been lodged and payment details at the address of the Registrar given below:

Contact Person: Mr. M Murali Krishna: SEBI Registration No.: INR000000221



KFIN TECHNOLOGIES LIMITED

PROSPECTS OF NANAVATI VENTURES LIMITED.

Selenium Tower -B, Plot 31-32, Gachibowli, Financial District, Nanakramguda, Serilingampally, Hyderabad-500 032, Telangana, India. Tel. No.: +91 40 6716 2222: Fax No.: +91 40 2343 1551; E-mail: nvl.ipo@kfintech.com; Investor Grievance Email: einward.ris@kfintech.com: Website: www.kfintech.com:

> For and on behalf of the Board of Directors Nanavati Ventures Limited

Mr. ShreyKumar Hasmukhbhai Sheth Chairman cum Managing Director DIN:08734002

THE LEVEL OF SUBSCRIPTION SHOULD NOT BE TAKEN TO BE INDICATIVE OF EITHER THE MARKET PRICE OF THE EQUITY SHARES ON LISTING OR THE BUSINESS Disclaimer: NANAVATI VENTURES LIMITED has filed the Prospectus with the RoC on April 16, 2022 and thereafter with SEBI and the Stock Exchanges. The Prospectus is

available on the website of SEBI at www.sebi.gov.inand on the websites of the LM, First overseas Capital Limited at www.focl.in. Investors should note that investment in Equity Shares involves a high degree of risk and for details relating to the same, please see "Risk Factors" beginning on page 23 of the Prospectus. The Equity Shares have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act of 1933, as amended (the "Securities Act") or any state securities laws in the United States and unless so registered, and may not be offered or sold within the United States, except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration

requirements of the Securities Act and in accordance with any applicable U.S. state securities laws. The Equity Shares are being offered and sold outside the United States in 'offshore transactions' in reliance on Regulation under the Securities Act and the applicable laws of each jurisdiction where such offers and sales are made. There will be no public